

Ashish kumar Thakur.
B.A. II History (H), Paper - IV
Dr. L.K.V.D. College, Jabpur
Samastipur.

ताइपिंग विद्रोह [1851-64 ई०]
[Taiping Revolt]

चीन के इतिहास में ताइपिंग विद्रोह की घटना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंचू शासन की जड़ों को हिलाकर रख देने वाले इस विद्रोह के निम्नलिखित कारण थे।

- (ii) चीनियों की यह धारणा थी कि तियन (स्वर्ग) सम्राट (बांग) को अपना मिंग (आत्मा-पत्र) देकर पृथ्वी पर उतरना है और इसका ना पालन करने वाले को हरा दिया जाना उचित है। उनकी धारणा थी कि तियन के मिंग वापस लेने का सूचक दुर्भिक्ष, अतिवृष्टि आदि प्राकृतिक प्रकोप होते हैं जो चीन में विद्यमान हैं।
- [३]. मंचू शासक अपनी अशोभ्यता और दुर्बलता के कारण ना तो विदेशियों के शोषण करने से रोक पा रहे थे और ना ही देश की आंतरिक आर्थिक व्यवस्थाओं को सुधार पा रहे थे।
- [४] कम वेतन, प्रशिक्षण आदि के अभाव में सेना में असंतोष था।
- [५] युद्ध तथा क्षतिपूर्ति के प्रश्नों ने चीन का खजाना खाली कर दिया था और इसकी पूर्ति के लिए, जब कुषको पर कर लगाये, तब द्वन्द्व और खराब हुई। कुषक अपनी जमीन बेचने पर मजबूर हुए।
- [६] मंचू शासकों के पश्चात साम्राज्यवादियों के विरुद्ध असफलता और अशोभ्यता ने चीनी राष्ट्रवादियों को मंचू शासन का अंत करने को प्रेरित करे।
- [७] चीनीयों ने प्राचीन गौरव की पुनर्स्थापना के लिये गुप्त समितियों की स्थापना की।
- [८] 1849 ई० का क्वांगतुंग में दोर दुर्मिस का पड़ना ताइपिंग विद्रोह का ताल्कालिक कारण बना।

विद्रोह और उसका पतन :- ताइपिंग विद्रोह हुआ-सियू-चुआन के नेतृत्व में हुआ, Nov 1850 से Feb 1851 ई० तक चुआन की सेनाओं ने मंचू सेनाओं को पराजित किया। उरते की घोषणा की कि तियन (स्वर्ग, ईश्वर) ने उरते मंचूओं के विनाश एवं ताइपिंग (महाशक्ति) की स्थापना के लिए पृथ्वी पर भेजा है।

Ashish

उसने मंचू सेनाओं को परास्त करने के बाद ताइपिंग-लियन-तुओ (महान शक्तिशाली का देवीय साम्राज्य) की घोषणा की एवं वह स्वयं इसका लिउंग वांग (इश्वरीय सम्राट) बना। तानकिंग का नाम उसने लियंग चिंग (इश्वरीय राजधानी) कर दिया।

ताइपिंग सेनाओं तोलियन तक पहुँच गईं। विद्रोही सेनाओं की सफलता असाधारण थी किन्तु शीघ्र ही विदेशियों के बल पर मंचू शासन ने ताइपिंग के विस्तार को रोककर, फिर भी दक्षिणी चीन पर ताइपिंग सरकार का अधिकार बना रखा।

द्वितीय अफीम युद्ध के बाद विदेशी शक्तियों ने पुनः मंचू शासन को मदद की। परिणामस्वरूप 1864 ई० तक ताइपिंग सत्ता समाप्त हो गई।

1853 ई० से 1864 ई० तक ताइपिंग सरकार ने आर्थिक एवं साम्राजिक क्षेत्र में अनेक सुधार कार्य किये।

ताइपिंग विद्रोह के असफलता के कारण :-

- (i) विनाके के अनुसार आंदोलन के रचनात्मक नेतृत्व का सूत्रन नहीं किया था।
- (ii) आंदोलनकारियों में मतभेद पैदा हो गया था।
- (iii) प्रारंभिक सफलता के बाद- आंदोलनकारियों ने ताइपिंग सिंहासन की अवहेलना की।
- (iv) जनता ने हिंसा और आतंक से परेशान होकर मंचू शासन को समर्थन दिया।

अन्ततोगत्वा हम कह सकते हैं कि ताइपिंग विद्रोह ने 1911 ई० की चीनी क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया।

Febish